RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 19 जुलाई 2025 वर्ष 07 अंक 91 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई - सांसद वर्षा गायकवाड़

Page - 2

मुंबईः 'दुबे तुम मुंबई में आ जाओ, समंदर में डुबो-डुबो के मारेंगे'

राज ठाकरे ने ''निशिकांत दुबे'' को दी चुनौती...

मुंबईः राज ठाकरे ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे को चुनौती देते हुए कहा कि वे मुंबई आ जाएं, हम उन्हें समंदर में डुबो-डुबो के मारेंगे। राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को लेकर चल रहे विवाद पर भी कहा कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री हिंदी के लिए लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार को आत्महत्या करना है तो करे। देवेंद्र फडणवीस लागू करके देखो तो..। राज ठाकरे मीरा रोड में पार्टी के दफ्तर का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

हिंदी बोलने वाले लोग महाराष्ट्र में नौकरी करने क्यों आते हैं?

राज ठाकरे ने कहा कि हिंदी बोलने वाले लोग महाराष्ट्र में नौकरी करने क्यों आते हैं? अगर हिंदी बोलने वाले को दूसरे जगह जाना पड़ता है तो इसका क्या फायदा? हिंदी किसी की मातृभाषा नहीं है। कल जिसको कान के नीचे मारा उसको पूछना की उसकी भाषा क्या है? उन्होंने कहा कि अगर किसी के कान में मराठी भाषा नहीं घुसती तो कान के नीचे मारना जरूरी है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में रहना है तो मराठी सीखनी होगी। असल में 29 जून को राज ठाकरे की पार्टी के कार्यकताओं ने मीरा रोड़ में एक दुकानदार को इसलिए मारा था क्योंकि वो हिन्दी में बात कर रहा था। यह विवाद बढ़ गया था। कारोबारियों ने विरोध किया था और पुलिस में भी यह मामला गया था। इसलिए आज राज ठाकरे ने मीरा रोड जाकर अपने कार्यकताओं का समर्थन किया।

मेरी हिंदी अच्छी है लेकिन नहीं बोलूंगा

हिंदी ने देश में करीब 250 भाषाओं को मार दिया है। बिहार में आज भी लोग अपनी मातृभाषा बोलते है हिंदी नहीं। हनुमान चालीसा हिंदी नहीं अवधि में है। मुझे सभी भाषाओं से प्यार है। महाराष्ट्र में सभी नेताओं से अच्छी मेरी हिंदी है। लेकिन नही बोलूंगा जाओ..। राज ठाकरे ने आरोप लाया कि कहा कि हिंदी भाषा तो पहली सीढ़ी है बाद में मुंबई को गुजरात में मिलाने का इनका सपना है।

ठाणे शहर यातायात विभाग ने नई यातायात नियंत्रण अधिसूचना जारी की

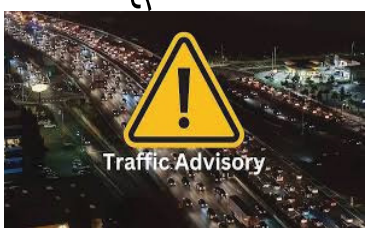

ठाणे : कासरवडावली यातायात उप-विभाग में वाहनों की बढ़ती संख्या और बढ़ती यातायात भीड़ को देखते हुए, ठाणे शहर यातायात विभाग ने एक नई यातायात नियंत्रण अधिसूचना जारी की है, जिसमें सुचारू और निर्बाध यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में संशोधित पार्किंग व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, काशीनाथ घनेकर सर्कल से जेमिनी बिल्डिंग और सूर्या टॉवर तक के क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिससे सार्वजनिक परिवहन में लगातार बाधाएँ आ रही हैं और यात्रियों को असुविधा हो रही है।

नए पार्किंग क्षेत्र और विवरणः काशीनाथ घनेकर सर्कल से जेमिनी बिल्डिंग सर्कल (पी-1, पी-2 पार्किंग) दूरीः 600 मीटर प्रकारः निर्दिष्ट पार्किंग समयः 24 घंटे जेमिनी बिल्डिंग सर्कल से सूर्या टावर (दोनों तरफ) प्रकारः समानांतर पार्किंग : दूरीः 600 मीटर समयः 24 घंटे सूर्या टावर से डीवीए स्कूल कॉर्नर के पास सार्वजनिक शौचालय (दोनों तरफ) प्रकारः नो पार्किंग जोन दूरीः 300 मीटर समयः 24 घंटे नई पार्किंग व्यवस्था का विवरण ठाणे पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपने आधिकारिक हैंडल **@ThfeCityPolice** के माध्यम से एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट के माध्यम से साझा किया गया।

मुंबई के बांद्रा में दर्दनाक हादसा!

सिलेंडर ब्लास्ट से तीन मंजिला चॉल जमींदोज... मलबे में फंसे 10 लोग

मुंबई : मुंबई के बांद्रा इलाके में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। भारत नगर की एक तीन मंजिला चॉल अचानक जमींदोज हो गई। यह हादसा सुबह करीब 5:56 बजे हुआ, जिसमें कम से कम 10 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू हो गया। अब तक सात लोगों को मलबे से सुरक्षित निकाल लिया गया है और उन्हें इलाज के लिए भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुंबई पुलिस, अग्निशमन दल और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की टीमें मौके पर मौजूद हैं और पूरी ताकत से बचाव कार्य में जुटी हैं। मुंबई पुलिस ने कहा, ''यह घटना आज सुबह 7.50 बजे हुई। शुरूआती जांच के अनुसार, इमारत में एक सिलेंडर ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद इमारत के कुछ हिस्से अचानक ढह गए। दमकल विभाग, मुंबई पुलिस और बीएमसी मौके पर राहत और बचाव कार्य कर रहे हैं। मलबे से निकाले गए 12 लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।''चॉल नंबर 37 पूरी तरह से ढही हादसे की जगह पर आठ दमकल गाड़ियां तैनात की गई हैं। अग्निशमन दल के एक अधिकारी ने बताया कि बचाव कार्य जोर-शोर से चल रहा है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए टीमें दिन-रात मेहनत कर रही हैं।

मुंबई : नो हनी, नो ट्रैप! CM फडणवीस ने विपक्ष को जमकर धोया, बोले- बिना सबूत के...

मुंबई : विधान मंडल का मानसून सत्र शुक्रवार को खत्म हो गया। तीन सप्ताह तक चले सत्र के तीसरे और आखिरी सप्ताह के दौरान नासिक का हनी ट्रैप मामला सुर्खियों में रहा। हनी ट्रैप प्रकरण की वजह से विपक्षी गठबंधन को सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया था। शरद पवार की राकां के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कथित हनी ट्रैप 'गुजरात पैटर्न' कह कर सरकार पर निशाना साधा था, तो वहीं महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने गुरुवार को विधान भवन में एक पेन ड्राइव दिखाते हुए सरकार से हनी ट्रैप में फंसे लोगों के नाम उजागर करने की मांग की थी।नाना पटोले ने कहा था कि आप नाम बताएं या फिर हम जानकारी सार्वजनिक कर देंगे लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को 'नो हनी, नो ट्रैप' कहकर विपक्ष के दावों की हवा ही निकाल दी।

किसका किया हनी ट्रैप?

एक राजनेता के नासिक में 72 अधिकारियों और कुछ मंत्रियों की वीडियो बनाए जाने की अफवाह मानसून सत्र के दौरान फैल गई। जिसके चलते राज्य की राजनीति में हड़कंप मच गया था। पटोले ने गुरुवार को विधानसभा में औचित्य के मुद्दे पर बोलते हुए आरोप लगाया कि मंत्रालय, नासिक और ठाणे हनी ट्रैप का केंद्र बन गए हैं। इसके माध्यम से राज्य के गोपनीय दस्तावेज सीधे असामाजिक तत्वों के हाथों में पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को नाना और आव्हाड के आरोपों पर जमकर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सदन में हनी ट्रैप की चर्चा हो रही है, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि किसका हनी ट्रैप किया गया है?

सीएम फडणवीस ने कहा कि नाना पटोले का बम हम तक नहीं पहुंचा। उन्होंने नाना को नसीहत देते हुए कहा कि यदि कोई घटना होती है, तो उसे दृढ़ता पूर्वक प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इसमें पूर्व मंत्रियों का जिक्र हो रहा है। इसलिए पूर्व मंत्री एक-दूसरे को देख रहे हैं। लेकिन किसी भी पूर्व मंत्री के हनी ट्रैप मामले में कोई शिकायत नहीं है। ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है।

बोरीवली और गोरेगांव स्टेशनों के बीच रविवार... 20 जुलाई, 2025 को पाँच घंटे का जंबो ब्लॉक

मुंबई : पटरियों, सिग्नलिंग और ओवरहेड उपकरणों के रखरखाव कार्य के लिए, रविवार, 20 जुलाई, 2025 को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बोरीवली और गोरेगांव स्टेशनों के बीच अप और डाउन स्लो लाइनों पर पाँच घंटे का जंबो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान, सभी अप और डाउन स्लो लाइन की ट्रेनें गोरेगांव और बोरीवली के बीच फास्ट लाइनों पर चलेंगी। ब्लॉक के कारण कुछ अप और डाउन उपनगरीय ट्रेनें रद्द रहेंगी और अंधेरी और बोरीवली की कुछ ट्रेनें हार्बर लाइन पर गोरेगांव तक चलेंगी। ब्लॉक अवधि के दौरान बोरीवली स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1, 2, 3 और 4 से कोई भी ट्रेन नहीं चलेगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मानसिक स्वराज भी आवश्यक है...

भारतीय शिक्षा को अब भारतीय ज्ञान परंपरा के रूप में ढालने के लिए पहल की जा रही है। इसे लेकर आम आदमी के मन में कुछ सवाल खड़े हो रहे हैं। जैसे भारतीय होने का क्या अर्थ है? जो ज्ञान परंपरा स्वतंत्र भारत में चल रही है, वह किस अर्थ में भारतीय नहीं है या कम भारतीय है? भारतीय ज्ञान परंपरा का स्वरूप क्या है? वह किस रूप में दूसरी ज्ञान परंपराओं से अलग है?

इस भारतीय ज्ञान परंपरा की विशिष्टता क्या है, जो हम इसकी ओर मुड़ें? आज के ज्ञान-युग में सामर्थ्यशाली होने के लिए इन पर विचार करना जरूरी है। आखिरकार यह पूरे समाज की मनोवृत्ति, आचरण और देश के सांस्कृतिक अस्तित्व का सवाल है। शिक्षा की दृष्टि से यह एक गंभीर तथ्य हो जाता है कि आज हम आलोचनात्मक रूप से चिंतनहीन और सृजनात्मकता की दृष्टि से पंगु होते जा रहे हैं। राजनीति में आडंबर और मानवीय मूल्य दृष्टि की बढ़ती कमी आज सबको खटक रही है। सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में चिंताएं बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए न्याय व्यवस्था में आज तक अपेक्षित सुधार नहीं लाया जा सका है। नागरिक जीवन से जुड़ी व्यवस्थाएं चाक चौबंद नहीं हैं। ऐसे में शिक्षा पर बहुतों की नजरें टिकी हैं और उसमें सुधार से बड़ी आशाएं जगती हैं। नई शिक्षा नीति के आने के बाद विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान-परंपरा में ढल रहे हैं और आमजन के बीच भी इसे लेकर उत्सुकता बढ़ी है, पर शिक्षा में भारतीयता की इस सतही उपस्थिति से आगे बढ़ कर गंभीर और व्यवस्थित रूप इस उपक्रम को अभी तक नहीं मिल सका है।

यदि पश्चिम के खचीर्ले और अंशतः दिशाहीन तथा आयातित ज्ञान को थोपे जाने से मुक्ति की इच्छा है और अपने देश के ज्ञान, कौशल और अस्मिता को बंधक स्थिति से छुड़ाने का मन है तो हमें शिक्षा में बदलाव लाना ही होगा। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मानसिक स्वराज जरूरी है और इसके लिए अपनी ज्ञान-व्यवस्था को पुनर्जीवित करना होगा, क्योंकि मानसिक गुलामी कई तरह से देश को आहत करती आ रही है, जिसका बहुतों को पता भी नहीं होता। इसके लिए शिक्षा में भारतीय दृष्टि की विवेकपूर्ण संगति के सिवाय कोई और मार्ग नहीं है। भारत की शिक्षा को भारतीय दृष्टि में स्थापित करना भारत और विश्व, दोनों के ही हित में होगा। ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विस्तार के पश्चिमी माडल का खोखलापन दिन-प्रतिदिन उजागर हो रहा है। अविरल चलती हिंसा, जलवायु परिवर्तन की बढ़ती मुश्किलें, तीव्र होती गलाकाट प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण का भीषण प्रदूषण और मनुष्यता की जगह बाजार का बढ़ता प्रभुत्व ज्ञान के पश्चिमी नेताओं के सोच पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई - सांसद वर्षा गायकवाड़

मुंबई : सांसद व मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मुंबई महानगरपालिका भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है। सत्तारूढ़ दल के नेताओं, बीएमसी अधिकारियों, सलाहकार कंपनियों और ठेकेदारों का भ्रष्ट गठबंधन है। भ्रष्टाचार का एक गिरोह चल रहा है। उन्होंने मांग की कि महायुति सरकार के दौरान बीएमसी में हुए सभी कार्यों की एसआईटी से जांच होनी चाहिए और शहरी विकास मंत्रालय इन कार्यों पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

मुंबई कांग्रेस कार्यालय राजीव गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सचिन सावंत और मुंबई कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस, पूर्व नगरसेवक अशरफ आजमी, शीतल म्हात्रे, अजंता यादव, सोफियान वानु, शकील चौधरी, निजामुद्दीन राइन आदि उपस्थित थे।

टेंडर रद्द किए बिना 83 करोड़ रुपए का बिल

बीएमसी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सांसद वर्षा ने कहा कि पिछली बार उजागर हुआ देवनार घोटाला तो बस एक ट्रेलर था। एमटीएल परियोजना ने पूरे गठजोड़ को उजागर कर दिया है। मास्टर्स एंड कंपनी + ट्रांसकॉन + एजीएसए एक भ्रष्टाचार त्रिकोण बन गया है। 1251 करोड़ रुपए के देवनार पीएपी घोटाले में, अनुमान बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए। टेंडर रद्द किए गए और बिना काम किए 83 करोड़ रुपए का बिल अदा कर दिया गया। मास्टर्स एंड कंपनी नामक तथाकथित कंसल्टेंट इसमें प्रमुख भूमिका निभा रहा है। लेकिन यह कंपनी बीएमसी को नहीं, बल्कि कुछ ठेकेदारों को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुंबई मनपा में एक निर्माण विभाग है, जब विभिन्न विभागों में इंजीनियर मौजूद हैं, तो ऐसी कंसल्टिंग कंपनी की क्या आवश्यकता है?

अधिकारियों के खिलाफ भी हो कार्रवाई

सांसद गायकवाड़ ने आगे कहा कि इस भ्रष्ट प्रशासन के पीछे राजनीतिक शक्ति है, जिसके बिना ऐसा भ्रष्टाचार नहीं हो सकता। यदि कोई कंसल्टेंट लगातार दो परियोजनाओं में 30-40% अधिक लागत दिखा रहा है, तो यह गलती से नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया है। दोनों परियोजनाओं (₹1251 करोड़ की देवनार पीएपी और ₹344 करोड़ की एमटीएल परियोजना) को तुरंत रद्द किया जाना चाहिए, एसआईटी को दोनों निविदाओं और सलाहकार-ठेकेदार समूह की जांच करनी चाहिए।

सांसद गायकवाड़ ने कहा कि ट्रांसकॉन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और एजीएसए इंफ्रा के सभी भुगतान रोक दिए जाने चाहिए। झूठे अनुमान, फर्जी बिलिंग और निविदा घोटाले के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। मास्टर्स एंड कंपनी और ट्रांसकॉन / एजीएसए को काली सूची में डाला जाना चाहिए और गलत मंजूरी देने वाले बीएमसी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

मुंबई : महाराष्ट्र में बढ़ेगा बारिश का जोर; 24 जुलाई के बाद भारी बारिश की संभावना

मुंबई : जुलाई में बारिश का पूवार्नुमान पूरे राज्य में बहुत सक्रिय नहीं था। तदनुसार, 17 से 24 जुलाई के बीच के सप्ताह में राज्य में कम बारिश होने की संभावना है। 1 जून से अब तक महाराष्ट्र में औसत से चार प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। जुलाई की बात करें तो औसत से दो प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। हालांकि, राज्य के 8 ज़िलों में औसत से कम और तीन ज़िलों में बारिश में भारी कमी दर्ज की गई है। कोंकण क्षेत्र में जुलाई में बारिश की कमी के कारण मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग ज़िलों में बारिश की कमी दर्ज की गई है। मुंबई शहर में 23 प्रतिशत और मुंबई उपनगरों में 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

मराठवाड़ा में सबसे कम बारिश

मध्य महाराष्ट्र के अहमदनगर, सतारा, सोलापुर, मराठवाड़ा, बीड, छत्रपति संभाजीनगर, धाराशिव, हिंगोली, जालना, लातूर, नांदेड़, परभणी जिलों में वर्षा में कमी दर्ज की गई, जबकि विदर्भ के अकोला, अमरावती और वाशिम जिलों में भी वर्षा की कमी दर्ज की गई। मराठवाड़ा में सबसे अधिक कमी है और मराठवाड़ा संभाग में कुल 46 प्रतिशत की कमी है। राज्य में सबसे अधिक कमी बीड में है और बीड में औसत वर्षा का केवल 25 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ है। सोलापुर में भी केवल 32 प्रतिशत ही वर्षा हुई है।

अगर हम पिछले हफ़्ते कोंकण क्षेत्र पर गौर करें, तो मुंबई शहर में सबसे ज्यादा बारिश हुई, जो उस हफ़्ते के औसत से 71 प्रतिशत कम थी। पिछले हफ़्ते, मुंबई के उपनगरों में 23 प्रतिशत कम बारिश हुई, पालघर ज़िले में 55 प्रतिशत कम बारिश हुई और ठाणे ज़िले में 33 प्रतिशत कम बारिश हुई। मध्य महाराष्ट्र में, धुले में 80 प्रतिशत, सोलापुर में औसत से 70 प्रतिशत कम बारिश हुई। हिंगोली में 95 प्रतिशत, जालना में 89 प्रतिशत और परभणी में औसत से 91 प्रतिशत कम बारिश हुई। इस दौरान विदर्भ में भी ज्यादा बारिश नहीं हुई।

भिवंडी : पानी चोरी के एक बड़े रैकेट का पदार्फाश

भिवंडी : भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की जल आपूर्ति विभाग ने पानी चोरी के एक बड़े रैकेट का पदार्फाश करते हुए चौकाने वाला खुलासा किया है। पिछले चार वर्षों से मनपा की मुख्य जल पाइपलाइन से पानी चुराकर उसे ग्राम पंचायत खोणी व मीट पाडा क्षेत्र में खुलेआम बेचा जा रहा था। इस अवैध कारोबार से मनपा को करीब 1 लाख 92 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पाणी पुरवठा विभाग द्वारा कासर अली, कोंबडपाडा भंडारी गोडाउन के पास क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संगमपाडा जलकुंभ को जोड़ने वाली मुख्य जलवाहिनी में बिना किसी अनुमति के छेद कर दो अवैध नल कनेक्शन लिए गए थे। जांच में सामने आया कि यह कनेक्शन नदी और नाले के जरिये नेहा पार्क, मीट पाडा व खोणी क्षेत्र की चाली में दिए जा रहे थे। पाइपलाइन से छेड़छाड़ कर यह अवैध कनेक्शन लेने का आरोप रवी गायधर सिंह पर लगा है। उन्होंने मनपा की अनुमति के बिना 1 इंच व्यास के दो घरेलू कनेक्शन लेकर चार सालों से पानी की चोरी और बिक्री की। प्रत्येक कनेक्शन से प्रतिवर्ष 12,000 रुपये के हिसाब से कुल 96,000 रुपये की जल चोरी और पाइपलाइन के नुकसान का आंकलन भी 96,000 रुपये किया गया है। कुल मिलाकर मनपा को 1,92,000 रुपये की क्षति हुई है। भिवंडी पालिका प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर के आदेशानुसार कार्यकारी अभियंता संदीप पटणावर के मार्गदर्शन में, उप अभियंता सरफराज अंसारी के निरीक्षण और पथक प्रमुख विराज भोईर की अगुवाई में की गई।

मुंबई : सफाई का काम एक प्राइवेट ठेकेदार को दिए जाने का निर्णय

मुंबई : मनपा प्रशासन द्वारा सफाई का काम एक प्राइवेट ठेकेदार को दिए जाने का निर्णय लिया है। मनपा प्रशासन के इस निर्णय के खिलाफ सफाई कर्मियों ने हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी थी। सफाई कर्मचारियों के मोर्चे में गिरीश महाजन खुद आकर सफाई कर्मियों से मुलाकात की और उनके एक शिष्ट मंडल को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक कराई। बैठक में मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों की मांग का मनपा आयुक्त के साथ बैठक कर उनके मांग का अनुबंध किया जाएगा कर्मचारियों के किसी भी कर्मचारी पद की कटौती नहीं करने का आश्वासन दिया। सफाई कर्मचारियों ने मनपा के निविदा प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक न लगाने का निर्णय लेते हुए 23 जुलाई तक किसी तरह की हड़ताल पर नहीं जाने का निर्णय लिया है। बता दें कि सफाई कर्मचारियों ने मनपा द्वारा सफाई कार्य निजी कंपनी को देने का लिए गए निर्णय का विरोध किया है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि मनपा सफाई कार्य ठेके पर दिए तो कर्मचारियों की नौकरी खत्म हो जाएगी। सफाई कर्मचारियों ने दो दिन पूर्व कर्मचारियों का मतदान लेकर हड़ताल करने का निर्णय लिया था, जिसमें 97 प्रतिशत कर्मचारियों ने मनपा के खिलाफ हड़ताल पर जाने की अनुमति दी थी। गुरुवार को सफाई कर्मचारी आजाद मैदान पर आंदोलन किया।

मुंबई : पासपोर्ट आवेदन के संबंध में पुलिस सत्यापन अत्यंत सटीक और नियमित होना चाहिए - गृह राज्य मंत्री योगेश कदम

मुंबईः महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने राज्य विधानसभा में कहा कि पासपोर्ट आवेदन में दिए गए वर्तमान पते का सत्यापन केंद्र सरकार की विशिष्ट कार्यप्रणाली के अनुसार पुलिस विभाग को करने के निर्देश दिए जाएँगे। उन्होंने आगे कहा, ''पासपोर्ट आवेदन के संबंध में पुलिस सत्यापन अत्यंत सटीक और नियमित होना चाहिए। पासपोर्ट के लिए आवेदन करते समय, आवेदक के पास स्थायी और वर्तमान पता देने का विकल्प होता है। आवेदक द्वारा आवेदन में दिए गए वर्तमान पते का सत्यापन पूरी तरह से किया जाएगा। केंद्र सरकार की विशिष्ट कार्यप्रणाली के अनुसार वर्तमान पते का सत्यापन करने के निर्देश पुलिस विभाग को दिए जाएँगे।'' वे वर्तमान पते पर पासपोर्ट के लिए पुलिस सत्यापन कराने के संबंध में सदस्य मनीषा चौधरी द्वारा प्रस्तुत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर दे रहे

थे, क्योंकि भवन के पुनर्विकास के दौरान मकान बदलना पड़ा था। मंत्री कदम ने कहा कि यह सत्यापित करना आवश्यक है कि क्या आवेदक वास्तव में वही व्यक्ति है, क्या उसके खिलाफ कोई अपराध लंबित है या उसके खिलाफ कोई समन या वारंट है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। पासपोर्ट के पुलिस सत्यापन के दौरान दिए गए पते पर पुलिस का जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, ''विशेष रूप से पुनर्विकासाधीन भवनों के मामले में, डेवलपर्स नागरिकों को अस्थायी आवास या किराए पर प्रदान करते हैं। ऐसे मामलों में, उस लीज एग्रीमेंट में दिए गए अस्थायी पते को आधिकारिक सत्यापन के लिए स्वीकार किया जाता है। साथ ही, इस प्रक्रिया के संबंध में केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।''

मंत्री ने कहा कि पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पासपोर्ट डिजिटल ऐप जैसी नई तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिससे यह अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी हो जाएगी। लोगों में जागरूकता पैदा की जाएगी कि पासपोर्ट के लिए आवेदन करते समय वर्तमान पते का सत्यापन किया जा रहा है। इस बीच, राज्य विधानसभा में श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने घोषणा की कि राज्य भर में मथाडी श्रमिकों के फर्जी पंजीकरण की जाँच के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

मुंबई : हुतात्मा चौक के पास रोबोटिक पार्किंग टावर रुकी

मुंबई : हुतात्मा चौक के पास एक प्रमुख भूमि, जहाँ एक रोबोटिक पार्किंग टावर बनाया जाना था, पिछले कई महीनों से लोगों के लिए वर्जित है। याचिका समूह द्वारा कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद, जिसने इस परियोजना पर सवाल उठाए थे, इस परियोजना को अधर में लटका दिया गया है। अन्य लोगों का कहना है कि ऐतिहासिक क्षेत्र, जहाँ हुतात्मा स्मारक स्थित है, को अछूता छोड़ दिया जाना चाहिए क्योंकि इससे लोगों की भावनाएँ जुड़ी हैं।

मुंबई : अंतिम चरण में एससीएलआर एक्सटेंशन; जल्द वाहन चालकों के लिए खुल जाएगा

मुंबई : मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) सांताक्रूज चेंबूर लिंक रोड (एससीएलआर) एक्सटेंशन के अंतिम चरण का उद्घाटन करने के लिए तैयार है, जो शहर में पूर्व-पश्चिम संपर्क समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कुछ अंतिम सुधार कार्य चल रहे हैं और पूरा होते ही इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। एससीएलआर और उसके विस्तार के पहले के हिस्से कुछ समय से चालू हैं, लेकिन आखिरी खंड, पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे (डब्ल्यूईएच) से सीधे जुड़ने वाला उत्तर की ओर जाने वाला फ्लाईओवर, अपने अंतिम चरण में है और जल्द ही वाहन चालकों के लिए खुल जाएगा। इस प्रमुख लिंक का उद्देश्य हंस भुगरा मार्ग-डब्ल्यूईएच सिग्नल और भीड़भाड़ वाले वकोला जंक्शन पर मौजूदा अड़चनों को कम करना है, जिससे चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से पश्चिमी उपनगरों तक यात्रा सुगम हो जाएगी।

मुंबई : स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में मुंबई की राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार; मुंबई 33वें स्थान पर

मुंबई : स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के अंतर्गत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में मुंबई की राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार हुआ है। इस बार मुंबई को देशभर में 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में घोषित की गई। पिछले वर्ष मुंबई की रैंकिंग 37 थी। यह रैंकिंग शहरों की जनसंख्या के आधार पर दी जाती है। स्वच्छ सर्वेक्षण के वार्षिक पुरस्कारों की शुरूआत 2016 में की गई थी। उल्लेखनीय है कि मुंबई जिसे अंतर्राष्ट्रीय शहर का दर्जा दिया जाता है। इस मुंबई को स्वच्छता में शीर्ष 10 स्थान पाने के लिए लंबा रास्ता तय करना होगा। खास बात यह है कि 'कचरा मुक्त शहर' की श्रेणी में मुंबई को इस बार शून्य अंक मिले हैं जो चिंताजनक है। देश की सबसे संपन्न महानगरपालिका मानी जाने वाली मुंबई को अभी तक स्वच्छता रैंकिंग में कभी भी पहले दस शहरों में स्थान नहीं मिल पाया है।, बीते कुछ वर्षों में इसमें थोड़ी-बहुत प्रगति देखी गई है। यह रैंक नागरिकों के फीडबैक और प्रत्यक्ष निरीक्षण पर आधारित होती है।

अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में पहचान रखने वाली मुंबई को इस बार भी स्वच्छता के मापदंडों में अपेक्षित अंक नहीं मिले है। घर-घर कचरा संग्रहण और कचरे के पृथक्करण में भी अंक कम मिले हैं। मुंबई का अधिकांश कचरा देवनार और कांजूरमार्ग की कचरा भूमियों पर डाला जाता है। पुराने कचरे के निपटान में असफलता, डंपिंग ग्राउंड को बंद करने में देरी, और कचरे की वैज्ञानिक पद्धति से प्रक्रिया न करना इन सबके कारण मुंबई की रैंकिंग गिरी है। कचरा शुल्क वसूलने में असफलता, दूषित पानी का समुद्र में सीधे प्रवाह जैसी खामियों ने भी अंक घटाए हैं। मनपा कचरा निपटान पर खर्च कर रही 6064 करोड़ः मनपा कचरे का निपटान करने पर 6064 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है, जो किसी छोटे शहर के संपूर्ण बजट के बराबर है। मुंबई महानगरपालिका रोजाना औसतन 6100 मीट्रिक टन कचरे का निपटान करती है। मुंबई का कुल क्षेत्रफल लगभग 475 वर्ग किलोमीटर है और यहां डेढ़ करोड़ से अधिक की आबादी निवास करती है। इसके अलावा लाखों लोग रोजगार और व्यापार के लिए आसपास के शहरों से मुंबई में आते-जाते हैं, जिससे कचरा प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बनती है।

मुंबई : पशु प्रेमी रविवार को कबूतरों को दाना डालने के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई का विरोध करेंगे

मुंबई : शहर भर के पशु कल्याण कार्यकर्ता और पशु प्रेमी रविवार को सांताक्रूज (पश्चिम) स्थित दौलत नगर कबूतरखाने में कबूतरों को दाना डालने के लिए हाथ मिलाएँगे और कबूतरों को दाना डालने के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई का विरोध करेंगे। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने शहर भर के कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालने पर रोक लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। राज्य सरकार ने नगर निगम को शहर भर में कबूतरों को दाना डालने वाले स्थानों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। दादर कबूतरखाने के एक छोटे से हिस्से को ध्वस्त करने और अतिक्रमण हटाने के अभियान से शुरू होकर, नगर निगम

ने अब कबूतरों को दाना डालने वालों पर जुमार्ना लगाना शुरू कर दिया है। पशु कल्याण कार्यकताओं ने चेतावनी दी थी कि अगर नगर निगम कबूतरों को दाना डालने के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखता है तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। चूँकि बीएमसी ने कबूतरों को दाना डालने के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज नहीं की है, इसलिए पशु कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में कबूतरों को दाना डालकर नगर निगम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

मुंबई : तीन साल के निलंबन के बाद संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में लौट आई 'वन रानी' टॉय ट्रेन...

मुंबई : लोकप्रिय 'वन रानी' टॉय ट्रेन तीन साल के निलंबन के बाद बोरीवली स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (एसजीएनपी) में आधिकारिक रूप से लौट आई है। चक्रवात तौकते से हुए नुकसान के बाद 2021 में यह सेवा रोक दी गई थी। अब बहाल और चालू हो चुकी यह पर्यावरण-अनुकूल टॉय ट्रेन 80 यात्रियों को समायोजित कर सकती है और पार्क के भीतर कृष्णगिरि उपवन के 5.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक मनोरम सवारी प्रदान करती है। 'वन रानी' की वापसी पर्यटकों और स्थानीय

लोगों दोनों के लिए एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुनः खोली गई सेवा के अलावा, जल्द ही एक दूसरी ओपन-एयर टॉय ट्रेन भी शुरू की जाएगी, जो बोरीवली स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में आगंतुकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी।

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से जुड़ी एक अलग खबर में, महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक ने मंगलवार को विधान परिषद को सूचित किया कि 2024 की नवीनतम वन्यजीव जनगणना के अनुसार, मुंबई के मध्य में स्थित विशाल हरित क्षेत्र, अब 54 तेंदुओं का घर है। नाइक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में तेंदुओं की संख्या में लगातार वृद्धि निरंतर संरक्षण प्रयासों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा का परिणाम है।

मुंबई-गोवा राजमार्ग पर एसटी बस और मिनी ट्रैवल्स बस की टक्कर; 19 यात्री घायल

मुंबई : मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक भीषण हादसा हुआ है। यह भीषण हादसा एक एसटी बस और एक निजी मिनी ट्रैवल्स बस के बीच आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ, जिसमें कुल 19 यात्री घायल हो गए। मिनी ट्रैवल्स बस का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि संगमेश्वर पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू करने के बाद यह हादसा हुआ। चिपलून से रत्नागिरी आ रही एक मिनी बस और रत्नागिरी से चिपलून की ओर जा रही एक बस के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में मिनी बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। मिनी बस चालक बस में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बस में सवार 6 लोग और मिनी बस में सवार 13 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह दुर्घटना मुंबई गोवा राजमार्ग पर काम कर रही ठेकेदार कंपनी की लापरवाही के कारण हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह दुर्घटना इसलिए हुई क्योंकि इस स्थान पर ऐसी कोई सड़क नहीं थी जबकि बाईपास सड़क अपेक्षित और आवश्यक थी। इस बीच, हादसे के बाद संबंधित ठेकेदार कंपनी जाग गई है और अब काम शुरू हो गया है। सभी घायल यात्री रत्नागिरी के चिपलून स्थित संगमेश्वर इलाके के रहने वाले हैं।

पुलिस ने बताया कि इन सभी यात्रियों की हालत अब स्थिर है। संगमेश्वर पुलिस स्टेशन में दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और संगमेश्वर पुलिस आगे की जांच कर रही है। मिनी बस चालक की हालत गंभीर होने के कारण उसे रत्नागिरी ले जाया गया है। अन्य दो घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसलिए उनके नाम पता नहीं चल पाए हैं।

घायलों के नाम इस प्रकार हैं

1) विजय विश्वनाथ प्रसादे (60, रामपेठ, संगमेश्वर),2) अजय रामदास भालेराव (40, एस.टी. ड्राइवर, वर्तमान में चिपलून, मूलतः जलगांव),3) रघुनाथ दत्तात्रय फाटक (34, कस्बा, संगमेश्वर),4) अमृता श्रीकांत साठे (52, चिपलून, एस. टी. बस)5) अहरत संतोष सावंत (15, पाली),6) अन्ना बाबासाहेब पवार (33, पाली, मराठवाड़ी, रत्नागिरी),7) सुशील धोंडीराम मोहिते (35, बांदरी, संगमेश्वर),8) सविता धोंडीराम मोहिते (65, बांदरी, संगमेश्वर),9) सहारा हामिद फकीर (22, शेट्टीनगर, रत्नागिरी),10) केतन श्रीकृष्ण पवार (34, कुवारबाव, जगुश्त कॉलोनी, रत्नागिरी),11) शेखर सतीश साठे (32, डिप्लोमा फायरमैन, रत्नागिरी),12) सिद्धार्थ गोपाल सावंत (74, पाली, वाल्के, रत्नागिरी),13) अनिरुद्ध शिवाजी धनावड़े (53, मारुति मंदिर, रत्नागिरी),14)अंकिता अनंत जोगले (40, मखजन, संगमेश्वर),15) वैशाली सिद्धार्थ सावंत (60, पाली वॉक),16) उमर अफरीन मुलानी (25, कस्बा, संगमेश्वर) मिनी बस चालक की हालत गंभीर होने के कारण उसे रत्नागिरी रेफर कर दिया गया है।

ठाणे : पाँच नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़; 32 वर्षीय गिरफ्तार

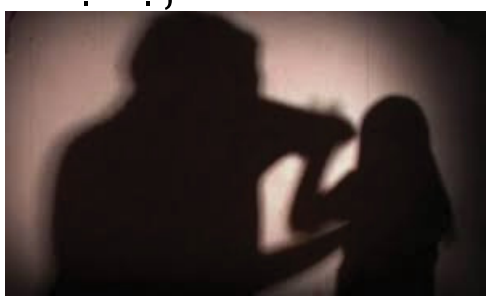

ठाणे : ठाणे में पाँच नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ के मामले में वर्तकनगर पुलिस ने 32 वर्षीय शंकर केसरसिंह सोनी को गिरफ्तार किया है। यह घटना कुछ दिन पहले हुई जब पीड़िता, एक नाबालिग लड़की जिसने बाद में शिकायत दर्ज कराई, चार अन्य नाबालिग लड़कियों के साथ स्थानीय इलाके से गुजर रही थी। सोनी कथित तौर पर उनके पास पहुँचा और पाँचों के साथ छेड़छाड़ की।

शिकायत के बाद, वर्तकनगर पुलिस स्टेशन में तुरंत मामला दर्ज किया गया। अपराध की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए, जोन 5 के पुलिस उपायुक्त ने पाँच समर्पित जाँच दल गठित किए। इन दलों में वर्तकनगर, कपूरबावड़ी, वागले एस्टेट, चितलसर और श्रीनगर पुलिस थानों के पुलिसकर्मी शामिल थे।

मुंबई में रोपवे, पॉड टैक्सी शुरू करने पर विचार-

लोकल ट्रेनों में भीड़ कम करने के लिए सरकार गंभीर

मुंबई : मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क में बढ़ती मौतों को देखते हुए, महाराष्ट्र सरकार कई बड़े बदलाव करने पर विचार कर रही है। सरकार ने प्राइवेट कंपनियों की ऑफिस टाइमिंग्स में बदलाव करने की गुंजाइश को लेकर एक टास्क फोर्स गठित करने का फैसला किया है। इसके अलावा, लोकल ट्रेनों पर दबाव कम करने के लिए यातायात के दूसरे साधनों पर निर्भरता बढ़ाने की भी कोशिशें की जा रही हैं। बताते चलें कि पिछले महीने 9 जून को मुंब्रा और दिवा स्टेशनों के बीच भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों से गिरकर पांच यात्रियों की मौत हो गई थी, जिसके बाद महाराष्ट्र सरकार इन हादसों को रोकने के लिए तरह-तरह की योजनाओं पर विचार कर रही है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में ट्रैवल के लिए रोपवे, पॉड टैक्सी, बाइक टैक्सी और वॉटर ट्रांसपोर्ट के लिए विचार कर रही है, ताकि मुंबई लोकल में यात्रियों की भारी संख्या को कम किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हम मुंबई महानगर क्षेत्र में वॉटर ट्रांसपोर्ट, बाइक टैक्सी, पॉड टैक्सी और रोपवे जैसे कई अन्य ऑप्शन्स पर भी काम कर रहे हैं। पॉड टैक्सियों के लिए, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (इडउ) में एमएमआरडीए को जमीन दी गई है। हम मीरा-भायंदर, ठाणे और नवी मुंबई को जोड़ने के लिए भी इन टैक्सियों पर विचार कर रहे हैं।''

मेट्रो ट्रेनों से नहीं मिल रही मदद

प्रताप सरनाइक ने कहा, ''राज्य सरकार ने मेट्रो पर फोकस करते हुए उम्मीद की थी कि इससे लोकल ट्रेनों में भीड़ कम होगी, लेकिन अभी तक इसका कोई खास कोई नतीजा नहीं निकला है।'' ट्रांसपोर्ट के दूसरे ऑप्शन्स के साथ ही ऑफिस टाइमिंग्स में बदलाव करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है। टास्क फोर्स में राज्य सरकार, रेलवे और मुंबई तथा मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में काम करने वाले प्राइवेट कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य व्यस्त समय के दौरान लोकल ट्रेनों पर दबाव कम करना है।

पॉड टैक्सियों की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर, प्रताप सरनाइक ने कहा, ''केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की मदद से अगले एक-दो महीनों में बड़ौदा में ये पहल शुरू होने की संभावना है। मैंने खुद प्रोजेक्ट साइट का दौरा किया है।'' सरनाइक ने इस हफ्ते बुधवार को विधानसभा में बताया कि पिछले तीन सालों में मुंबई की लोकल ट्रेनों में यात्रा करते हुए 7565 यात्रियों की मौत हुई है और 7293 घायल हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि भीड़ कम करने के पिछले उपाय नाकाम रहे हैं।

नालासोपारा में आर्थिक तंगी से परेशान एक ओला चालक ने अपने घर में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली

नालासोपारा : ओला और उबर जैसे एग्रीगेटर्स से जुड़े चालकों की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आई है। नालासोपारा में आर्थिक तंगी से परेशान एक ओला चालक ने अपने घर में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने एक बार फिर इन कंपनियों द्वारा चालकों के कथित शोषण और कम किराये दरों के मुद्दे को गरमा दिया है। मृतक की पहचान नालासोपारा के विलालपाड़ा निवासी 48 वर्षीय सनोज सक्सेना के रूप में हुई है। सनोज अपनी पत्नी ललिता सक्सेना, दो बेटियों और एक बेटे के साथ रहते थे और ओला उबर से जुड़कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। पेल्हार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई इस घटना की जानकारी उनके साथी चालक रोहित शुक्ला ने दी, जिन्होंने बताया कि सनोज लंबे समय से मानसिक तनाव में थे और अक्सर अपने खर्च पूरे न होने की बात करते थे। चालकों का आरोप है कि वे रोजाना 12-14 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं, इसके बावजूद परिवार का पेट भरना मुश्किल हो गया है। उनका कहना है कि ओला और उबर ग्राहकों से प्रति किलोमीटर 10 से 12 रुपए तक चार्ज करती है, लेकिन चालकों को सिर्फ 4 से 5 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान किया जाता है। यह किराया इतना कम है कि अब यह काम घाटे का सौदा बन गया है। चालक लंबे समय से अपनी मांग कर रहे हैं कि उन्हें प्रति किलोमीटर 22 से 25 रुपए का किराया दिया जाए।

मुंबई : बांद्रा में एक चॉल का एक हिस्सा ढह जाने के बाद सात लोगों के फंसे होने की आशंका

मुंबई : अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार तड़के बांद्रा में एक चॉल का एक हिस्सा ढह जाने के बाद कम से कम सात लोगों के फंसे होने की आशंका है। मुंबई पुलिस के अनुसार , प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इमारत के अंदर सिलेंडर विस्फोट के कारण यह हादसा हुआ। अब तक 12 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुंबई पुलिस, अग्निशमन विभाग के अधिकारी और बीएमसी कर्मी बचाव एवं राहत कार्य चला रहे हैं ।

संपर्क कार्याल : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani